>

Title : Regarding notices of motion for adjournment to discuss price rise in the country.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष जी, यह संयोग तो अच्छा नहीं है कि आपके द्वारा मेरा स्वागत किये जाने के बाद ही मुझे एक निवेदन करना पड़ रहा है। लेकिन मैं समूचे प्रतिपक्ष की ओर से बहुत विनम्रता से आपसे एक निवेदन करना चाहती हूं कि आज समूचा देश महंगाई से कराह रहा है और इसलिए हमने आपसे आग्रह किया था कि सबसे पहले दिन यानी संयुक्त अभिभाषण के अगले दिन, जो कि आज पड़ता है, सबसे पहली चर्चा महंगाई पर होनी चाहिए और समूचे प्रतिपक्ष ने उसके लिए अलग-अलग काम रोको प्रस्ताव के नोटिस आपको दिये हैं। मुझे दुख हुआ, जब मैंने आज की कार्य सूची देखी, उसमें उस विषय की बजाय राÂष्ट्रपति अभिभाÂषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा लगी हुई है। यह सुनने में आया है कि सरकार चर्चा के लिए तो तैयार है, लेकिन काम रोको प्रस्ताव के तहत तैयार नहीं है। मैं बहुत विनम्रता से आपके सामने एक बात कहना चाहती हूं कि चर्चा अपने आपमें महत्वपूर्ण होती है, लेकिन किस नियम के तहत चर्चा की जाए, इसका भी अपना एक महत्व होता है और इसीलिए हमारी नियमावली में अलग-अलग नियम चर्चाओं के लिए रखे गये हैं। अगर सारी चर्चायें एक समान होतीं तो चार नियमों की आवश्यकता नहीं थी। नियम 57 के अंतर्गत काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा होती है, नियम 184 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के विषयों पर चर्चा होती है, नियम 193 के अन्तर्गत अल्पकालिक चर्चा होती है और नियम 197 के अंतर्गत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा होती है। इन चारों नियमों के अंतर्गत सरकार जवाब देती है लेकिन इनका प्रभाव अलग-अलग है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके सामने एक आंकड़ा रखना चाहती हूं कि 14वीं लोक सभा में प्रथम बार यू.पी.ए. के मई, 2004 में सत्ता में आने के बाद नियम 193 के अंतर्गत सात बार चर्चा हो चुकी है और 15वीं लोक सभा में नियम 193 के अधीन एक बार चर्चा हो चुकी है। कुल मिलाकर नियम 193 के अंतर्गत आठ बार चर्चा करने के बाद भी वस्तुओं के दाम रुकना या घटना तो दूर, दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसलिये इस बार हमने और समूचे प्रतिपक्ष ने इकट्ठे यह सोचा कि इस बार हम काम रोको प्रस्ताव के तहत चर्चा करेंगे ताकि चर्चा प्रभावी हो। अगर नियम 193 के तहत हुई चर्चा से सरकार के कानों तक आवाज नहीं पहुंची तो काम रोको प्रस्ताव के तहत चर्चा कर के हम देश को एक संदेश देना चाहेंगे कि और कोई काम हमारे लिये इतना महत्वपूर्ण नहीं है । इसलिये महंगाई पर चर्चा प्राथमिकता के आधार पर करनी चाहिये। मैं आपसे निवेदन करना चाहती हूं कि जो आग्रह हम लोगों ने आपसे किया था और हमने आपको जो नोटिसेज काम रोको प्रस्ताव के लिये दिये हैं, कृपया उन्हें स्वीकार करें। नेताओं की बैठक में सब से आगे बढ़कर यह बात हमने आपसे कही थी। बीएसी की मीटिंग में जो नेता वहां उपस्थित थे , उन्होंने आपसे आग्रह किया था कि हम सदन की कार्यवाही कतई बाधित नही करना चाहते हैं, चर्चा करना चाहते हैं। कृपया काम रोको प्रस्ताव स्वीकार करें और अभी इस पर चर्चा प्रारम्भ करायें। हम चर्चा करने के लिये तैयार हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, हमारे देश के सामने महंगाई एक गम्भीर चुनौती है और दूसरी चुनौती गरीबों की है। हालत यह है कि गरीब एक तरफ गरीबी से और दूसरी तरफ महंगाई से पिस रहे हैं। बहुत से गरीबों के घरों में दोनों बार खाना नहीं बन रहा है । होली आने वाली है। शायद पूरे देश को पता होगा कि 25 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जो होली का त्यौहार नहीं मना रहे हैं। महंगाई के बारे में सारे समाचार-पत्रों ने, आम जनता ने और हम लोगों ने कई बार कहा है। मुझे आश्चर्य और दुख इस बात का है कि न तो सरकार की तरफ से जनता को कोई संतोषजनक जवाब मिला है और न ही कोई कार्यवाही हुई है। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जब देश में अन्न की कमी नहीं है, चूहे खा रहे हैं, बरसात के मौसम में खराब हो रहा है, उसके बावजूद गरीबों के लिए क्यों नहीं और सस्ता क्यों नहीं? जो अति गरीब हैं, उन्हें मुफ्त अनाज क्यों नहीं? यह सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई भी नागरिक भूख से न मरे। सर्दी किसको लगती है जिसका पेट खाली होता है, लू से कौन मरता है, जिसका पेट खाली है। आज सर्दी की वजह से मौतें नहीं हो रही हैं, भूख के कारण गरीबों की मौत हो रही है। जब इतनी गम्भीर हालत है तब सरकार ने कौन सी पहल की है? हम जानना चाहते हैं कि सरकार ने ऐसा कौन सा इंतजाम किया है। हम फिर दोहराना चाहते हैं कि जब देश में इतना अन्न है कि गोदाम भरे पड़े हैं, तब गरीबों के लिये अन्न क्यों नहीं? इसका क्या कारण है, सरकार का स्पष्टीकरण आना चाहिये। होली का त्यौहार आ रहा है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आपने अपनी बात रख दी है, अब आप बैठिये।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, होली का त्यौहार सभी लोग मनाते हैं। यह राष्ट्रीय त्यौहार है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने अपने विचार व्यक्त कर दिये हैं। यहां बहस नहीं हो रही है।

श्री मुलायम सिंह यादव : यह चर्चा क्यों हो, पहले यह बात तो सुन लीजिये।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जब चर्चा होगी, तब आप अपनी बात कहियेगा। अब आप बैठ जायें।

श्री मुलायम सिंह यादव : जब गम्भीरता नही होगी, तो कैसे चर्चा शुरु करायेंगे? यह गम्भीर विषय है। इसलिये हम कहना चाहते हैं कि त्यौहार मनाने के लिये सरकार क्या कर रही है?...(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): महोदया, हमने भी नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। हम आपको भी बुलवाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): महोदया, श्रीमती सुषमा स्वराज जी के स्वागत में आपके कहे शब्दों का मैं समर्थन करता हूं और हम पार्टी की तरफ से आपके साथ शरीक होते हैं। मैं उनसे इस बात की उम्मीद कर रहा था कि क्योंकि वे कानून जानती हैं, वे बहुत अच्छे ढ़ंग से बात कह सकती हैं। हम एक परिवर्तन भी देखना चाह रहे थे। जिस नियमावली का उन्होंने जिक्र किया, उन्होंने चारों रूल्स का जिक्र किया, उन्हें सब याद है। मैं मानता हूं कि उन्हें यह भी अच्छी तरह पता है कि कौन से रूल के तहत कब किस बात पर चर्चा होनी चाहिए । जब इस बात का जिक्र हुआ, जब आपके साथ मीटिंग हुई थी,

हम सभी लोगों ने कहा था कि आप जिस भी विषय पर चर्चा चाहते हैं, सरकार उससे गुरेज नहीं करेगी। एक विषय नहीं, आप जिस भी विषय पर चर्चा चाहते हैं, हम बिल्कुल खुले दिल के साथ चर्चा करेंगे। महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में भी सभी बातों का जिक्र हुआ है। हम उम्मीद करते हैं कि उस वक्त जैसे आपने 12 घंटे उसके लिए तय किये, उसमें एक-एक मुद्दे पर विस्तारपूर्वक चर्चा हो।

महोदया, अब मंहगाई का सवाल आता है। हमने उसमें माना है कि मंहगाई है, लेकिन मंहगाई पर सिर्फ अपने हिसाब से चर्चा करके बात पूरी नहीं होती है। मैंने आपके सामने यही बात रखी थी और यही बात आज मैं पूरे सदन के सामने रखना चाहता हूं कि उसके लिए तहत भी रूल्स हैं। हमें अपनी पार्लियामेंट को नियमों के तहत ही चलाना है। अगर वे नियम हैं, अगर एडजर्नमैंट मोशन ...(व्यवधान) अगर एडजर्नमैंट मोशन ...(व्यवधान) श्रीमती सुषमा स्वराज जी ने जिन नियमों का जिक्र किया था, मैं उन्हीं नियमों को पढ़कर बताना चाहता हूं। ...(व्यवधान) जिस नियम का जिक्र हुआ था...(व्यवधान) इससे तो पता लगता है कि आप क्या चाहते हैं । अगर आप यही चाहते हैं, ...(व्यवधान) सुषमा जी बोलीं, मुलायम सिंह जी बोले, हमने कोई नयी बात नहीं की है। ...(व्यवधान) आप वह नियम भी सुनना नहीं चाहते हैं।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, मंहगाई का इश्यू पहले होगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग शांत हो जाइए। यह बहुत गंभीर विषय है।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : आप नियम भी नहीं सुनना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बोल चुके हैं। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदया, यह महत्वपूर्ण और गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बोल चुके हैं, आप बैठ जाइए। गीते जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : महोदया, श्रीमती सुषमा स्वराज जी ने और मुलायम सिंह यादव जी ने बात कही। मुलायम सिंह जी आप बोल चुके हैं, मैं उसी रूल का जिक्र करूंगा। मैं आपको वही बताना चाहता हूं। आप दो मिनट मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : नियम का बहाना करके...(व्यवधान यह देश के सामने गंभीर बात है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइए। आप क्यों खड़े हैं, आप बैठ जाइए?

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : महोदया, यहां श्रीमती सुषमा स्वराज जी ने और मुलायम सिंह यादव जी, दोनों ने यह बात कही है कि पिछले 6 वर्षों से महंगाई बढ़ती जा रही है। वह एक मुद्दा है, जिसका चर्चा में जिक्र होना चाहिए। जब उस पर बहस होगी तो उसका जिक्र होना चाहिए। अगर उनका यह विचार है, हमारे विचार और हैं, हम आपस में बात करेंगे। क्योंकि उन्होंने यह कहा है कि 6 वर्षों से मंहगाई बढ़ रही है। सिर्फ इसी कारण क्योंकि यह नया विषय नहीं उठा, आज या कल कोई चीज नहीं हुई, इसी कारण यह स्थगन प्रस्ताव पेश नहीं किया जा सकता। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव: यह देश का दुर्भाग्य है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : हम चर्चा चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बीच में क्यों आ रहे हैं? वापस जाइए, यह क्या तरीका है?

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : हम नौ घंटे की चर्चा चाहते हैं।...(व्यवधान) अभी से चर्चा शुरू हो जाए और शाम तक चलती रहे। ...(व्यवधान) एडर्जनमैंट मोशन में सिर्फ ढ़ाई घंटे चर्चा होती है, हम नौ घंटे की चर्चा के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान)

11.25 hrs.

At this stage S/Shri Shailender Kumar, Chandrakant Khaire, Ashok Argal and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आपको चर्चा करनी है या नहीं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ये आप क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER : Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER : The House stands adjourned to meet again at 12 noon.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER : Shri Pawan Kumar Bansal to continue.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Thank you, Madam.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, व्यवस्था का सवाल है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : While I was speaking, I only wanted to reiterate the seriousness and the earnest desire of the Government to have a full-fledged discussion on any subject that our friends in the Opposition want.

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदया, पहले व्यवस्था सुन लीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Madam, today the question relating to price rise has been raised. ...(*Interruptions*) The question relating to price rise has been raised. I would again want to resubmit that the Government is prepared and would welcome a structured and detailed discussion on the subject. The only point that I was making was, Madam, as the hon. Leader of the Opposition had referred to the rules, I said the rules as such do not, in this particular case, permit an Adjournment Motion route for the discussion on the price rise. ...(*Interruptions*) Madam, in this case I would only like very briefly to refer to one rule and then just make a very brief submission. Madam, the rule is.....(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदया, व्यवस्था का सवाल है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया करके बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महंगाई पर नियम से क्या लोगों का पेट भरेगा?...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैं इसके लिए यही कहना चाहता हूं कि अगर आप इतनी संजीदगी से इस पर चर्चा करवाना चाहते हैं, तो हम इस पर पूरे दिन बहस करने के लिए तैयार हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको भी बुलाएंगे, दारा सिंह जी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए, रघुवंश बाबू।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER : Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Madam, on your desire, otherwise also, we agreed to depart from the convention of beginning with the Motion of Thanks to the President's for her Address. We said – yes; on the very first day we are prepared to have a detailed discussion on the price rise issue. We have agreed for that, Madam, and even today. The question is, as Sushmaji said, under what rule.

Madam, I was saying that the route of Adjournment Motion is not attracted in this case and very briefly I would only refer to Rule 58(ii) and then Rule 58(iii).

Rule 58(iii) reads :

> "the motion shall be restricted to a specific matter of recent occurrence involving responsibility of the Government of India;"

Madam, you take any notice which has been submitted to you, all of them say that

महंगाई बढ़ती जा रही है, महंगाई बढ़ती रही है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको बुलाऊंगी। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मुझे आप सुनना नहीं चाहते हैं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह जी, आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I will not refer to the various, umpteen occasions when the hon. Speaker had given rulings on the procedure. In one case 'appalling economic situations leading to unparalleled upheaval', it was not granted. There

were other cases like this. I am not referring to those because there were occasions to discuss those matters in the discussion on Motion of Thanks as also during budget discussion.

All that I want to say is that though I feel and we would like to take it up, have a very structured, good and meaningful discussion, yet I would like to submit that once we start a discussion on the price rise, though this is not a matter of Centre-State relations, yet this is a very serious matter where the issues relating to the failures or successes of states will also come up. Some States have done a good job and some other States may not have done it. There are certain Acts like the Essential Commodities Act. There is a law relating to hoarding. Then, there is the Public Distribution System which is managed by the State Governments. ...(*Interruptions*) All those issues will come up. Is that the responsibility of the Government of India? ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आपको बोलने का मौका दूंगी। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री दारा सिंह चौहान जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैं तो सिर्फ यह कहा रहा हूं कि ...(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): इस पर देश की पार्लियामेंट में डिसकशन नहीं होगा, तो फिर कहां होगा? ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : डिसकशन यहीं होगा, लेकिन इसमें गवर्नमेंट ऑफ इंडिया कहां रेस्पांसीबल है?...(व्यवधान)

अंडर रूल इस पर स्थगन-प्रस्ताव नहीं रखा जा सकता। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : All right. आप बैठ जाइए।

MADAM SPEAKER: Please do not walk into the well. Do not troop into the well.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Pawan Kumar Bansal is saying.

*(Interruptions) â€¦ **

MADAM SPEAKER: Have you made your point?

...(*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, मेरे बाद उन्हें भी बोलना है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Let me complete. What is this? ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: You complete it early.

Only Shri Bansal's statement will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MADAM SPEAKER: All right. You complete.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : बंसल जी, आप कृपया कंपलीट कीजिए।

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, मैं आधे मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

अध्यक्ष महोदया : आप कृपया बैठ जाइए। वे आधे मिनट में अपनी बात समाप्त कर देंगे। आप कृपया आधे मिनट के लिए चुप हो जाइए।

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

12.10 hrs

At this stage, Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

अध्यक्ष महोदया : आप कंप्लीट करिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: What is this? ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please go back. Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री पवन कुमार बंसल : मैं अपनी बात कह दूं, आप उधर चले जाइए। ...(व्यवधान) क्या आप नहीं चाहते हैं कि मैं अपनी बात पूरी कर लूं?

अध्यक्ष महोदया : आप कंप्लीट करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : अगर बोलना है, तो आप इनको रोकिए। ...(व्यवधान)